

उत्तर प्रदेश के ज़िलों में भूजल स्तर में सुधार

चर्चा में क्यों?

नमामागिंगे एवं जलापूर्ति अनुभाग-3 की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार **प्रयागराज समेत प्रदेश के 32 ज़िलों** में भूजल स्तर में बढ़ोतरी हुई है। जिससे इन ज़िलों में **करटिकिल ज़ोन** की संख्या कम हो गई है।

मुख्य बटु:

- प्रयागराज के भूजल वडिाग ने बताया कडिे यह नरिधारति करने के लडिे वडििनिन मापदंडों का वडिश्लेषण करते हैं कडिकोई ज़िलिा **सुरकषति, करटिकिल, सेडिी करटिकिल और अधकि पानी नकिले गए ज़ोन** में आता है या नही। सबसे महत्त्वपूरण महत्त्व नकिले गए पानी की कुल मात्रा तथा पुनरुडरण के साथ इसका तुलना है। गहन वार्षकि मूलड्यांकन के बाद, वे प्रत्येक ज़िलि को तदनुसार वरुगीकृत करते हैं।
 - राजडु में जो ज़िलि सुरकषति ज़ोन में हैं उनमें प्रयागराज, प्रतापगढ, कौशामुडी, फतेहपुर, वाराणसी, जौनपुर, आगरा, फर्रिज़ाबाद, डैनपुरी, मथुरा, अलीगढ, एटा, हाथरस, बदायुं, चतिरकूट, महोबा, कानपुर नगर, कनुनौज, डेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गौतड बुद्ध नगर, गाज़डिाबाद, हापुड, डरिज़ापुर, डुरादाबाद, अडरोहा, बजिनौर, संडल, सहारनपुर, डुज़फरनगर और शामली शामलि हैं।

नमामागिंगे कार्यक्रम

- नमामागिंगे कार्यक्रमत संरकषण डशिन है, जसि जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा **‘फलैगशपि कार्यक्रम’** के रूप में अनुडोदति कडिा गया था, ताकडि प्रदूषण के प्रभावी अनुडूलन और राष्ट्रीय नदी गंगा के संरकषण एवं काडकल्प के दोहरे उददेशुडों को पूरा कडिा जा सके।
- यह **जल संसाधन डंतुरालड, नदी वकिस और गंगा संरकषण वडिाग तथा जल शकुतडंतुरालड** के तहत संचालति कडिा जा रहा है।
- यह कार्यक्रम **राष्टरीय सवचछ गंगा डशिन (NMCG)** और इसके राजडु समककष संगठनों यानी राजडु कार्यक्रम प्रडंधन समूहों (SPMGs) द्वारा कारडानवति कडिा जा रहा है।
- NMCG राष्ट्रीय गंगा परषिद का कारडानवडन वगि है, यह वरुष 2016 में सुथापति कडिा गया था जसिने **राष्टरीय गंगा नदी बेसनि प्राधकिरण (NGRBA)** को प्रसुथापति कडिा।
- इसके पास **20,000 करोड रुपए का केंदरीय वतितडोषति, गैर-वडुपगत कोष** है और इसमें लगडग **288 परडिोजनाएँ** शामलि हैं।
- कारडुक्रम के डुखुड सुतंडड हैं:
 - सीवेज़ टरिडडेंट इंफुरासुटरकचर
 - रवरि फुरंट डेवलडडडेंट
 - नदी-सतह की सफाईड एक एकीकृत
 - जैववडिडिता
 - वनीकरण
 - जन जागरण
 - औदडुगकि प्रवाह नगिरानी
 - गंगा गुराड